

जापु साहिब

१ ओ अंकार सतिगुर प्रसादि ॥

स्त्री वाहिगुरु जी की फतह ॥

जापु ॥

स्त्री मुखवाक पातिसाही १० ॥

छपै छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

चक्कर चिहन अरु बरन जाति अरु पाति
नहिन जिह ॥ रूप रंग अरु रेख भेख कोऊ
कहि न सकति किह ॥ अचल मूरति अनभउ
प्रकास अमितोज कहिज्जै ॥ कोटि इंद्र
इंद्राणि साहि साहाणि गणिज्जै ॥ त्रिभवण
महीप सुर नर असुर नेत नेत बन त्रिण

कहत ॥ त्व सरब नाम कथै कवन करम नाम
बरनत सुमति ॥ १ ॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

नमसत्वं अकाले ॥ नमसत्वं क्रिपाले ॥

नमसतं अरूपे ॥ नमसतं अनूपे ॥ २ ॥

नमसतं अभेखे ॥ नमसतं अलेखे ॥ नमसतं

अकाए ॥ नमसतं अजाए ॥ ३ ॥ नमसतं

अगंजे ॥ नमसतं अभंजे ॥ नमसतं अनामे ॥

नमसतं अठामे ॥ ४ ॥ नमसतं अकरमं ॥

नमसतं अधरमं ॥ नमसतं अनामं ॥ नमसतं

अधामं ॥ ५ ॥ नमसतं अजीते ॥ नमसतं

अभीते ॥ नमसतं अबाहे ॥ नमसतं अढाहे

॥ ६ ॥ नमसतं अनीले ॥ नमसतं अनादे ॥

नमसतं अछेदे ॥ नमसतं अगाधे ॥ ७ ॥

नमसतं अगंजे ॥ नमसतं अभंजे ॥ नमसतं
 उदारे ॥ नमसतं अपारे ॥ ८ ॥ नमसतं सु
 एकै ॥ नमसतं अनेकै ॥ नमसतं अभूते ॥
 नमसतं अजूषे ॥ ९ ॥ नमसतं त्रिकरमे ॥
 नमसतं त्रिभरमे ॥ नमसतं त्रिदेसे ॥ नमसतं
 त्रिभेसे ॥ १० ॥ नमसतं त्रिनामे ॥ नमसतं
 त्रिकामे ॥ नमसतं त्रिधाते ॥ नमसतं
 त्रिघाते ॥ ११ ॥ नमसतं त्रिधूते ॥ नमसतं
 अभूते ॥ नमसतं अलोके ॥ नमसतं
 असोके ॥ १२ ॥ नमसतं त्रितापे ॥ नमसतं
 अथापे ॥ नमसतं त्रिमाने ॥ नमसतं निधाने
 ॥ १३ ॥ नमसतं अगाहे ॥ नमसतं अबाहे ॥
 नमसतं त्रिबरगे ॥ नमसतं असरगे ॥ १४ ॥
 नमसतं प्रभोगे ॥ नमसतं सु जोगे ॥ नमसतं

अरंगे ॥ नमसतं अभंगे ॥ १५ ॥ नमसतं
 अगंगे ॥ नमसतस्सतु रंगे ॥ नमसतं जलासरे
 ॥ नमसतं निरासरे ॥ १६ ॥ नमसतं अजाते
 ॥ नमसतं अपाते ॥ नमसतं अमजबे ॥
 नमसतस्सतु अजबे ॥ १७ ॥ अदेसं अदेसे ॥
 नमसतं अभेसे ॥ नमसतं त्रिधामे ॥ नमसतं
 त्रिबामे ॥ १८ ॥ नमो सरब काले ॥ नमो
 सरब दयाले ॥ नमो सरब रूपे ॥ नमो सरब
 भूपे ॥ १९ ॥ नमो सरब खापे ॥ नमो सरब
 थापे ॥ नमो सरब काले ॥ नमो सरब पाले
 ॥ २० ॥ नमसतस्सतु देवै ॥ नमसतं
 अभेवै ॥ नमसतं अजनमे ॥ नमसतं
 सुबनमे ॥ २१ ॥ नमो सरब गउने ॥ नमो
 सरब भउने ॥ नमो सरब रंगे ॥ नमो सरब

भंगे ॥ २२ ॥ नमो काल काले ॥
 नमसतस्सतु दयाले ॥ नमसतं अबरने ॥
 नमसतं अमरने ॥ २३ ॥ नमसतं जरारं ॥
 नमसतं क्रितारं ॥ नमो सरब धंधे ॥ नमोसत
 अबंधे ॥ २४ ॥ नमसतं त्रिसाके ॥ नमसतं
 त्रिबाके ॥ नमसतं रहीमे ॥ नमसतं करीमे ॥
 २५ ॥ नमसतं अनंते ॥ नमसतं महंते ॥
 नमसतस्सतु रागे ॥ नमसतं सुहागे ॥ २६ ॥
 नमो सरब सोखं ॥ नमो सरब पोखं ॥ नमो
 सरब करता ॥ नमो सरब हरता ॥ २७ ॥
 नमो जोग जोगे ॥ नमो भोग भोगे ॥ नमो
 सरब दयाले ॥ नमो सरब पाले ॥ २८ ॥

चाचरी छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

अरूप हैं ॥ अनूप हैं ॥ अजू हैं ॥ अभू

हैं ॥ २९ ॥ अलेख हैं ॥ अभेख हैं ॥ अनाम हैं ॥
 अकाम हैं ॥ ३० ॥ अधे हैं ॥ अभे हैं ॥ अजीत
 हैं ॥ अभीत हैं ॥ ३१ ॥ त्रिमान हैं ॥ निधान
 हैं ॥ त्रिबरण हैं ॥ असरण हैं ॥ ३२ ॥ अनील
 हैं ॥ अनादि हैं ॥ अजे हैं ॥ अजादि हैं ॥ ३३ ॥
 अजनम हैं ॥ अबरन हैं ॥ अभूत हैं ॥ अभरन
 हैं ॥ ३४ ॥ अगंज हैं ॥ अभंज हैं ॥ अझूझ हैं ॥
 अझंझ हैं ॥ ३५ ॥ अमीक हैं ॥ रफीक हैं ॥
 अधंध हैं ॥ अबंध हैं ॥ ३६ ॥ त्रिबूझ हैं ॥
 असूझ हैं ॥ अकाल हैं ॥ अजाल हैं ॥ ३७ ॥
 अलाह हैं ॥ अजाह हैं ॥ अनंत हैं ॥ महंत
 हैं ॥ ३८ ॥ अलीक हैं ॥ त्रिसूरीक हैं ॥ त्रिलंभ
 हैं ॥ असंभ हैं ॥ ३९ ॥ अगंम हैं ॥ अजंम हैं ॥
 अभूत हैं ॥ अछूत हैं ॥ ४० ॥ अलोक हैं ॥

असोक हैं ॥ अक्रम हैं ॥ अभ्रम हैं ॥ ४१ ॥
 अजीत हैं ॥ अभीत हैं ॥ अबाह हैं ॥ अगाह
 हैं ॥ ४२ ॥ अमान हैं ॥ निधान हैं ॥ अनेक
 हैं ॥ फिर एक हैं ॥ ४३ ॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

नमो सरब माने ॥ समसती निधाने ॥ नमो
 देव देवे ॥ अभेखी अभेवे ॥ ४४ ॥ नमो काल
 काले ॥ नमो सरब पाले ॥ नमो सरब गउणे ॥
 नमो सरब भउणे ॥ ४५ ॥ अनंगी अनाथे ॥
 न्रिसंगी प्रमाथे ॥ नमो भान भाने ॥ नमो मान
 माने ॥ ४६ ॥ नमो चंद्र चंद्रे नमो भान
 भाने ॥ नमो गीत गीते नमो तान
 ताने ॥ ४७ ॥ नमो निरत निरते नमो नाद
 नादे ॥ नमो पान पाने नमो बाद बादे ॥ ४८ ॥

अनंगी अनामे समसती सरूपे ॥ प्रभंगी
 प्रमाथे समसती बिभूते ॥ ४९ ॥ कलंकं
 बिनाने कलंकी सरूपे ॥ नमो राज राजेस्वरं
 परम रूपे ॥ ५० ॥ नमो जोग जोगेस्वरं परम
 सिद्धे ॥ नमो राज राजेस्वरं परम
 ब्रिद्धे ॥ ५१ ॥ नमो ससत्र पाणे ॥ नमो
 असत्र माणे ॥ नमो परम ग्याता ॥ नमो लोक
 माता ॥ ५२ ॥ अभेखी अभरमी अभोगी
 अभुगते ॥ नमो जोग जोगेस्वरं परम
 जुगते ॥ ५३ ॥ नमो नित्त नाराइणे क्रूर
 करमे ॥ नमो प्रेत अप्रेत देवे सुधरमे ॥ ५४ ॥
 नमो रोग हरता नमो राग रूपे ॥ नमो साह
 साहं नमो भूप भूपे ॥ ५५ ॥ नमो दान दाने
 नमो मान माने ॥ नमो रोग रोगे नमस्ततं

इसनानं ॥ ५६ ॥ नमो मंत्र मंत्रं नमो जंत्र
 जंत्रं ॥ नमो इसट इसटे नमो तंत्र
 तंत्रं ॥ ५७ ॥ सदा सच्चदानंद सरबं
 प्रणासी ॥ अनूपे अरूपे समसतुलि
 निवासी ॥ ५८ ॥ सदा सिद्धदा बुद्धदा
 ब्रिद्ध करता ॥ अधो उरध अरधं अघं ओघ
 हरता ॥ ५९ ॥ परम परम परमेस्वरं प्रोछ
 पालं ॥ सदा सरबदा सिद्ध दाता
 दिआलं ॥ ६० ॥ अछेदी अभेदी अनामं
 अकामं ॥ समसतो पराजी समसतस्सतु
 धामं ॥ ६१ ॥

तेरा जोरु ॥ चाचरी छंद ॥

जले हैं ॥ थले हैं ॥ अभीत हैं ॥ अभे हैं ॥
 ६२ ॥ प्रभू हैं ॥ अजू हैं ॥ अदेस हैं ॥ अभेस

हैं ॥ ६३ ॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

अगाधे अबाधे ॥ अनंदी सरूपे ॥ नमो सरब
 माने ॥ समसती निधाने ॥ ६४ ॥ नमसत्त्वं
 त्रिनाथे ॥ नमसत्त्वं प्रमाथे ॥ नमसत्त्वं
 अगंजे ॥ नमसत्त्वं अभंजे ॥ ६५ ॥
 नमसत्त्वं अकाले ॥ नमसत्त्वं अपाले ॥ नमो
 सरब देसे ॥ नमो सरब भेसे ॥ ६६ ॥ नमो
 राज राजे ॥ नमो साज साजे ॥ नमो साह
 साहे ॥ नमो माह माहे ॥ ६७ ॥ नमो गीत
 गीते ॥ नमो प्रीत प्रीते ॥ नमो रोख रोखे ॥
 नमो सोख सोखे ॥ ६८ ॥ नमो सरब
 रोगे ॥ नमो सरब भोगे ॥ नमो सरब जीतं ॥
 नमो सरब भीतं ॥ ६९ ॥ नमो सरब ग्यानं ॥

नमो परम तानं ॥ नमो सरब मंत्रं ॥ नमो
 सरब जंत्रं ॥ ७० ॥ नमो सरब द्रिस्सं ॥ नमो
 सरब क्रिस्सं ॥ नमो सरब रंगे ॥ त्रिभंगी
 अनंगे ॥ ७१ ॥ नमो जीव जीवं नमो बीज
 बीजे ॥ अखिज्जे अभिज्जे समसतं
 प्रसिज्जे ॥ ७२ ॥ क्रिपालं सरूपे कुकरमं
 प्रणासी ॥ सदा सरबदा रिद्धि सिद्धं
 निवासी ॥ ७३ ॥

चरपट छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

अंम्रित करमे ॥ अंब्रित धरमे ॥ अक्खल
 जोगे ॥ अचल्ल भोगे ॥ ७४ ॥ अचल्ल राजे
 ॥ अट्टल साजे ॥ अक्खल धरमं ॥ अलक्ख
 करमं ॥ ७५ ॥ सरबं दाता ॥ सरबं ग्याता ॥
 सरबं भाने ॥ सरबं माने ॥ ७६ ॥ सरबं प्राणं

॥ सरबं त्राणं ॥ सरबं भुगता ॥ सरबं
जुगता ॥ ७७ ॥ सरबं देवं ॥ सरबं भेवं ॥
सरबं काले ॥ सरबं पाले ॥ ७८ ॥

रुआल छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

आदि रूप अनादि मूरति अजोनि पुरख
अपार ॥ सरब मान त्रिमान देव अभेव आदि
उदार ॥ सरब पालक सरब घालक सरब को
पुनि काल ॥ जत्त तत्त बिराजही अवधूत रूप
रिसाल ॥ ७९ ॥ नाम ठाम न जात जाकर
रूप रंग न रेख ॥ आदि पुरख उदार मूरति
अजोनि आदि असेख ॥ देस और न भेस
जाकर रूप रेख न राग ॥ जत्त तत्त दिसा
विसा हुइ फैलिओ अनुराग ॥ ८० ॥ नाम
काम बिहीन पेखत धाम हूं नहि जाहि ॥

सरब मान सरबत्र मान सदैव मानत ताहि ॥
 एक मूरति अनेक दरसन कीन रूप अनेक ॥
 खेल खेल अखेल खेलन अंत को फिर
 एक ॥ ८१ ॥ देव भेव न जानही जिह बेद
 अउर कतेब ॥ रूप रंग न जाति पाति सु
 जानई किह जेब ॥ तात मात न जात जाकरि
 जनम मरन बिहीन ॥ चक्करबक्कर फिरै चत्त
 चक्क मानही पुर तीन ॥ ८२ ॥ लोक चउदह
 के बिखै जग जापही जिह जाप ॥ आदि देव
 अनादि मूरति थापिओ सभै जिह थाप ॥
 परम रूप पुनीत मूरति पूरन पुरखु अपार ॥
 सरब बिस्व रचिओ सुयंभव गड़न
 भंजनहार ॥ ८३ ॥ काल हीन कला संजुगति
 अकाल पुरख अदेस ॥ धरम धाम सु भरम

रहत अभूत अलख अभेस ॥ अंग राग न रंग
 जाकह जाति पाति न नाम ॥ गरब गंजन
 दुसट भंजन मुकति दाइक काम ॥ ८४ ॥
 आप रूप अमीक अन उसतति एक पुरख
 अवधूत ॥ गरब गंजन सरब भंजन आदि
 रूप असूत ॥ अंग हीन अभंग अनात्म एक
 पुरख अपार ॥ सरब लाइक सरब घाइक
 सरब को प्रतिपार ॥ ८५ ॥ सरब गंता सरब
 हंता सरब ते अनभेख ॥ सरब सासत्र न
 जानही जिह रूप रंग अरु रेख ॥ परम बेद
 पुरान जाकहि नेत भाखत नित्त ॥ कोटि
 सिंम्रिति पुरान सासत्र न आवई बहु
 चित्ति ॥ ८६ ॥

मधुभार छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

गुन गन उदार ॥ महिमा अपार ॥ आसन
 अभंग ॥ उपमा अनंग ॥ ८७ ॥ अनभउ
 प्रकास ॥ निसदिन अनास ॥ आजान बाहु ॥
 साहान साहु ॥ ८८ ॥ राजान राज ॥ भानान
 भान ॥ देवान देव ॥ उपमां महान ॥ ८९ ॥
 इंद्रान इंद्र ॥ बालान बाल ॥ रंकान रंक ॥
 कालान काल ॥ ९० ॥ अनभूत अंग ॥
 आभा अभंग ॥ गति मिति अपार ॥ गुन गन
 उदार ॥ ९१ ॥ मुनि गनि प्रनाम ॥ निरभै
 निकाम ॥ अति दुति प्रचंड ॥ मिति गति
 अखंड ॥ ९२ ॥ आलिस्य करम ॥ आद्रिस्य
 धरम ॥ सरबाभरणाढ्य ॥ अनडंड बाढ्य
 ॥ ९३ ॥

चाचरी छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

गोबिंदे ॥ मुकंदे ॥ उदारे ॥ अपारे ॥ १४ ॥
हरीअं ॥ करीअं ॥ त्रिनामे ॥ अकामे
॥ १५ ॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

चत्तु चक्क्र करता ॥ चत्तु चक्क्र हरता ॥
चत्तु चक्क्र दाने ॥ चत्तु चक्क्र जाने ॥ १६ ॥
चत्तु चक्क्र वरती ॥ चत्तु चक्क्र भरती ॥ चत्तु
चक्क्रपाले ॥ चत्तु चक्क्र काले ॥ १७ ॥ चत्तु
चक्क्र पासे ॥ चत्तु चक्क्र वासे ॥ चत्तु चक्क्र
मान्ये ॥ चत्तु चक्क्र दान्ये ॥ १८ ॥

चाचरी छंद ॥

न सत्तै ॥ न मित्रै ॥ न भरमं ॥ न भित्तै ॥
१९ ॥ न करमं ॥ न काए ॥ अजनमं

॥ अजाए ॥ १०० ॥ न चित्तै ॥ न मित्तै
 ॥ परे है ॥ पवित्तै ॥ १०१ ॥ प्रिथीसै ॥
 अदीसै ॥ अद्रिसै ॥ अक्रिसै ॥ १०२ ॥

भगवती छंद ॥ त्वप्रसादि कथते ॥

कि आछिज्ज देसै ॥ कि आभिज्ज भेसै ॥ कि
 आगंज करमै ॥ कि आभंज भरमै ॥ १०३ ॥
 कि आभिज्ज लोकै ॥ कि आदित्त सोकै ॥
 कि अवधूत बरनै ॥ कि बिभूत करनै
 ॥ १०४ ॥ कि राजं प्रभा हैं ॥ कि धरमं
 धुजा हैं ॥ कि आसोक बरनै ॥ कि सरबा
 अभरनै ॥ १०५ ॥ कि जगतं क्रिती हैं ॥ कि
 छत्रं छत्री हैं ॥ कि ब्रह्मं सरूपै ॥ कि अनभउ
 अनूपै ॥ १०६ ॥ कि आदि अदेव हैं ॥ कि
 आपि अभेव हैं ॥ कि चित्रं बिहीनै ॥ कि एकै

अधीनै ॥ १०७ ॥ कि रोजी रजाकै ॥ रहीमै
 रिहाकै ॥ कि पाक बिऐब हैं ॥ कि गैबुल गैब
 हैं ॥ १०८ ॥ कि अफवुल गुनाह हैं ॥ कि
 साहान साह हैं ॥ कि कारन कुनिंद हैं ॥ कि
 रोजी दिहंद हैं ॥ १०९ ॥ कि राजक रहीम
 हैं ॥ कि करमं करीम हैं ॥ कि सरबं कली हैं ॥
 कि सरबं दली हैं ॥ ११० ॥ कि सरबत्र
 मान्यै ॥ कि सरबत्र दान्यै ॥ कि सरबत्र
 गउनै ॥ कि सरबत्र भउनै ॥ १११ ॥ कि
 सरबत्र देसै ॥ कि सरबत्र भेसै ॥ कि सरबत्र
 राजै ॥ कि सरबत्र साजै ॥ ११२ ॥ कि
 सरबत्र दीनै ॥ कि सरबत्र लीनै ॥ कि सरबत्र
 जा हो ॥ कि सरबत्र भा हो ॥ ११३ ॥ कि
 सरबत्र देसै ॥ कि सरबत्र भेसै ॥ कि सरबत्र

कालै ॥ कि सरबत्र पालै ॥ ११४ ॥ कि
 सरबत्र हंता ॥ कि सरबत्र गंता ॥ कि
 सरबत्र भेखी ॥ कि सरबत्र पेखी ॥ ११५ ॥
 कि सरबत्र काजै ॥ कि सरबत्र राजै ॥ कि
 सरबत्र सोखै ॥ कि सरबत्र पोखै ॥ ११६ ॥
 कि सरबत्र त्राणै ॥ कि सरबत्र प्राणै ॥ कि
 सरबत्र देसै ॥ कि सरबत्र भेसै ॥ ११७ ॥ कि
 सरबत्र मानयै ॥ सदैवं प्रधानयै ॥ कि सरबत्र
 जापयै ॥ कि सरबत्र थापयै ॥ ११८ ॥ कि
 सरबत्र भानै ॥ कि सरबत्र मानै ॥ कि
 सरबत्र इंद्रै ॥ कि सरबत्र चंद्रै ॥ ११९ ॥ कि
 सरबं कलीमै ॥ कि परमं फहीमै ॥ कि
 आकल अलामै ॥ कि साहिब कलामै
 ॥ १२० ॥ कि हुसनुल वजू हैं ॥ तमामुल

रुजू हैं ॥ हमेसुल सलामै ॥ सलीखत मुदामै
 ॥ १२१ ॥ गनीमुल सिकसतै ॥ गरीबुल
 परसतै ॥ बिलंदुल मकानै ॥ जमीनुल जमानै
 ॥ १२२ ॥ तमीजुल तमामै ॥ रुजूअल
 निधानै ॥ हरीफुल अजीमै ॥ रजाइक यकीनै
 ॥ १२३ ॥ अनेकुल तरंग हैं ॥ अभेद हैं
 अभंग हैं ॥ अजीजुल निवाज हैं ॥ गनीमुल
 खिराज हैं ॥ १२४ ॥ निरुक्त सरूप हैं ॥
 त्रिमुक्ति बिभूत हैं ॥ प्रभुगति प्रभा हैं ॥ सु
 जुगति सुधा हैं ॥ १२५ ॥ सदैवं सरूप हैं ॥
 अभेदी अनूप हैं ॥ समसतोपराज हैं ॥ सदा
 सरब साज हैं ॥ १२६ ॥ समसतुल सलाम
 हैं ॥ सदैवल अकाम हैं ॥ त्रिबाध सरूप हैं ॥
 अगाधि हैं अनूप हैं ॥ १२७ ॥ ओअं आदि

रूपे ॥ अनादि सरूपै ॥ अनंगी अनामे ॥
 त्रिभंगी त्रिकामे ॥ १२८ ॥ त्रिबरगं
 त्रिबाधे ॥ अगंजे अगाधे ॥ सुभं सरब
 भागे ॥ सुसरबा अनुरागै ॥ १२९ ॥
 त्रिभुगत सरूप हैं ॥ अछिज्ज हैं अछूत हैं ॥
 कि नरकं प्रणास हैं ॥ प्रिथीउल प्रवास हैं ॥
 १३० ॥ निरुकति प्रभा हैं ॥ सदैवं सदा हैं ॥
 बिभुगति सरूप हैं ॥ प्रजुगति अनूप हैं
 ॥ १३१ ॥ निरुकति सदा हैं ॥ बिभुगति
 प्रभा हैं ॥ अनउकति सरूप हैं ॥ प्रजुगति
 अनूप हैं ॥ १३२ ॥

चाचरी छंद ॥

अभंग हैं ॥ अनंग हैं ॥ अभेख हैं ॥ अलेख
 हैं ॥ १३३ ॥ अभरम हैं ॥ अकरम हैं ॥

अनादि हैं ॥ जुगादि हैं ॥ १३४ ॥ अजै
 हैं ॥ अबै हैं ॥ अभूत हैं ॥ अधूत हैं ॥ १३५ ॥
 अनास हैं ॥ उदास हैं ॥ अधंध हैं ॥ अबंध
 हैं ॥ १३६ ॥ अभगत हैं ॥ बिरक्त हैं ॥
 अनास हैं ॥ प्रकास हैं ॥ १३७ ॥ निचिंत हैं
 ॥ सुनिंत हैं ॥ अलिक्ख हैं ॥ अदिक्ख
 हैं ॥ १३८ ॥ अलेख हैं ॥ अभेख हैं ॥ अढाह
 हैं ॥ अगाह हैं ॥ १३९ ॥ असंभ हैं ॥ अगंभ
 हैं ॥ अनील हैं ॥ अनादि हैं ॥ १४० ॥
 अनित्त हैं ॥ सु नित्त हैं ॥ अजाति
 हैं ॥ अजादि हैं ॥ १४१ ॥

चरपट छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

सरबं हंता ॥ सरबं गंता ॥ सरबं खिआता ॥
 सरबं गिआता ॥ १४२ ॥ सरबं हरता ॥

सरबं करता ॥ सरबं प्राणं ॥ सरबं त्राणं
 ॥ १४३ ॥ सरबं करमं ॥ सरबं धरमं ॥
 सरबं जुगता ॥ सरबं मुकता ॥ १४४ ॥

रसावल छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

नमो नरक नासे ॥ सदैवं प्रकासे ॥ अनंगं
 सरूपे ॥ अभंगं बिभूते ॥ १४५ ॥ प्रमाथं
 प्रमाथे ॥ सदा सरब साथे ॥ अगाधि सरूपे ॥
 त्रिबाधि बिभूते ॥ १४६ ॥ अनंगी अनामे
 ॥ त्रिभंगी त्रिकामे ॥ त्रिभंगी सरूपे ॥ स्रबंगी
 अनूपे ॥ १४७ ॥ न पोत्रै न पुत्रै ॥ न सत्रै
 न मित्रै ॥ न तातै न मातै ॥ न जातै न
 पातै ॥ १४८ ॥ त्रिसाकं सरीक हैं ॥ अमितो
 अमीक हैं ॥ सदैवं प्रभा हैं ॥ अजै हैं अजा
 हैं ॥ १४९ ॥

भगवती छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

कि जाहर जहूर हैं ॥ कि हाजर हजूर हैं ॥
 हमेसुल सलाम हैं ॥ समसतुल कलाम
 हैं ॥ १५० ॥ कि साहिब दिमाग हैं ॥ कि
 हुसनल चराग हैं ॥ कि कामल करीम हैं ॥ कि
 राजक रहीम हैं ॥ १५१ ॥ कि रोजी दिहंद
 हैं ॥ कि राजक रहिंद हैं ॥ करीमुल कमाल हैं ॥
 कि हुसनुल जमाल हैं ॥ १५२ ॥ गनीमुल
 खिराज हैं ॥ गरीबुल निवाज हैं ॥ हरीफुल
 सिकंन हैं ॥ हिरासुल फिकंन हैं ॥ १५३ ॥
 कलंकं प्रणास हैं ॥ समसतुल निवास हैं ॥
 अगंजुल गनीम हैं ॥ रजाइक रहीम
 हैं ॥ १५४ ॥ समसतुल जुबा हैं ॥ कि साहिब
 किरा हैं ॥ कि नरकं प्रणास हैं ॥ बहिसतुल

निवास हैं ॥ १५५ ॥ कि सरबुल गवंन हैं ॥
 हमेसुल रवंन हैं ॥ तमामुल तमीज हैं ॥
 समसतुल अजीज हैं ॥ १५६ ॥ परं परम ईस
 हैं ॥ समसतुल अदीस हैं ॥ अदेसुल अलेख
 हैं ॥ हमेसुल अभेख हैं ॥ १५७ ॥ जिमीनुल
 जमा हैं ॥ अमीकुल इमा हैं ॥ करीमुल कमाल
 हैं ॥ कि जुरअति जमाल हैं ॥ १५८ ॥ कि
 अचलं प्रकास हैं ॥ कि अमितो सुबास हैं ॥
 कि अजब सरूप हैं ॥ कि अमितो बिभूत
 हैं ॥ १५९ ॥ कि अमितो पसा हैं ॥ कि आतम
 प्रभा हैं ॥ कि अचलं अनंग हैं ॥ कि अमितो
 अभंग हैं ॥ १६० ॥

मधुभार छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

मुनि मन प्रनाम ॥ गुन गन मुदाम ॥ अरि बर

अगंज ॥ हरि नर प्रभंज ॥ १६१ ॥ अन गन
 प्रनाम ॥ मुनि मन सलाम ॥ हर नर अखंड ॥
 बर नर अमंड ॥ १६२ ॥ अनुभव अनास ॥
 मुनि मन प्रकास ॥ गुन गन प्रनाम ॥ जल
 थल मुदाम ॥ १६३ ॥ अनछिज्ज अंग ॥
 आसन अभंग ॥ उपमा अपार ॥ गति मिति
 उदार ॥ १६४ ॥ जल थल अमंड ॥ दिस
 विस अभंड ॥ जल थल महंत ॥ दिस विस
 बिअंत ॥ १६५ ॥ अनभव अनास ॥ धित
 धर धुरास ॥ आजान बाहु ॥ एकै सदाहु
 ॥ १६६ ॥ ओअंकार आदि ॥ कथनी
 अनादि ॥ खल खंड खिआल ॥ गुर बर
 अकाल ॥ १६७ ॥ घर घर प्रनाम ॥ चित
 चरन नाम ॥ अनछिज गात ॥ आजिज न

बात ॥ १६८ ॥ अनझंझ गात ॥ अनरंज
 बात ॥ अनटुट भंडार ॥ अनट्ट
 अपार ॥ १६९ ॥ आडीठ धरम ॥ अति
 ढीठ करम ॥ अणब्रण अनंत ॥ दाता महंत
 ॥ १७० ॥

हरिबोलमना छंद ॥ त्वप्रसादि ॥

करुणालय हैं ॥ अरि घालय हैं ॥ खल खंडन
 हैं ॥ महि मंडन हैं ॥ १७१ ॥ जगतेस्वर
 हैं ॥ परमेस्वर हैं ॥ कलि कारन हैं ॥ सरब
 उबारन हैं ॥ १७२ ॥ धित के धरन हैं ॥
 जग के करन हैं ॥ मन मानिय हैं ॥ जग
 जानिय हैं ॥ १७३ ॥ सरबं भर हैं ॥ सरबं
 कर हैं ॥ सरब पासिय हैं ॥ सरब नासिय हैं ॥
 १७४ ॥ करुणाकर हैं ॥ बिस्वंबर हैं ॥

सरबेस्वर हैं ॥ जगतेस्वर हैं ॥ १७५ ॥
 ब्रह्मंडस हैं ॥ खल खंडस हैं ॥ पर ते पर हैं ॥
 करुणाकर हैं ॥ १७६ ॥ अजपा जप
 हैं ॥ अथपा थप हैं ॥ अक्रिता क्ति हैं ॥
 अम्रिता म्रित हैं ॥ १७७ ॥ अंम्रिता म्रित
 हैं ॥ करुणा क्ति हैं ॥ अक्रिता क्ति
 हैं ॥ धरणी ध्रित हैं ॥ १७८ ॥ अमितेस्वर
 हैं ॥ परमेस्वर हैं ॥ अक्रिता क्ति हैं ॥
 अम्रिता म्रित हैं ॥ १७९ ॥ अजबा क्ति हैं ॥
 अम्रिता म्रित हैं ॥ नर नाइक हैं ॥ खल घाइक
 हैं ॥ १८० ॥ बिस्वंबर हैं ॥ करुणालय हैं ॥
 त्रिप नाइक हैं ॥ सरब पाइक हैं ॥ १८१ ॥
 भव भंजन हैं ॥ अरि गंजन हैं ॥ रिपु तापन
 हैं ॥ जपु जापन हैं ॥ १८२ ॥ अकलं क्ति

हैं ॥ सरबा कृत हैं ॥ करता कर हैं ॥ हरता हर
 हैं ॥ १८३ ॥ परमात्म हैं ॥ सब आत्म हैं ॥
 आत्म बस हैं ॥ जस के जस हैं ॥ १८४ ॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

नमो सूरज सूरजे नमो चंद्र चंद्रे ॥ नमो राज
 राजे नमो इंद्र इंद्रे ॥ नमो अंधकारे नमो तेज
 तेजे ॥ नमो बिंद बिंदे नमो बीज
 बीजे ॥ १८५ ॥ नमो राजसं तामसं सांत
 रूपे ॥ नमो परम तत्तं अतत्तं सरूपे ॥ नमो
 जोग जोगे नमो गिआन गिआने ॥ नमो मंत्र
 मंत्रे नमो धिआन धिआने ॥ १८६ ॥ नमो
 जुध जुधे नमो गिआन गिआने ॥ नमो भोज
 भोजे नमो पान पाने ॥ नमो कलह करता
 नमो सांत रूपे ॥ नमो इंद्र इंद्रे अनादं

बिभूते ॥ १८७ ॥ कलंकार रूपे अलंकार
अलंके ॥ नमो आस आसे नमो बांक बंके ॥
अभंगी सरूपे अनंगी अनामे ॥ त्रिभंगी
त्रिकाले अनंगी अकामे ॥ १८८ ॥

एक अछरी छंद ॥

अजै ॥ अलै ॥ अभै ॥ अबै ॥ १८९ ॥
अभू ॥ अजू ॥ अनास ॥ अकास ॥
१९० ॥ अगंज ॥ अभंज ॥ अलक्ख ॥
अभक्ख ॥ १९१ ॥ अकाल ॥ दिआल ॥
अलेख ॥ अभेख ॥ १९२ ॥ अनाम ॥
अकाम ॥ अगाह ॥ अढाह ॥ १९३ ॥
अनाथे ॥ प्रमाथे ॥ अजोनी ॥ अमोनी ॥
१९४ ॥ न रागे ॥ न रंगे ॥ न रूपै ॥ न
रेखे ॥ १९५ ॥ अकरमं ॥ अभरमं ॥ अगंजे

॥ अलेखे ॥ १९६ ॥

भुजंग प्रयात छंद ॥

नमसतुल प्रनामे समसतुल प्रणासे ॥
 अगंजुल अनामे समसतुल निवासे ॥ त्रिकामं
 बिभूते समसतुल सरूपे ॥ कुकरमं प्रणासी
 सुधरमं बिभूते ॥ १९७ ॥ सदा सचदानंद
 सत्रं प्रणासी ॥ करीमुल कुनिंदा समसतुल
 निवासी ॥ अजाइब बिभूते गजाइब
 गनीमे ॥ हरीअं करीअं करीमुल रहीमे ॥
 १९८ ॥ चत्त चक्क वरती चत्त चक्क
 भुगते ॥ सुयंभव सुभं सरबदा सरब जुगते ॥
 दुकालं प्रणासी दइआलं सरूपे ॥ सदा अंग
 संगे अभंगं बिभूते ॥ १९९ ॥

